पशुजन्य उत्पाद प्रोद्यौगिकी विभाग
पशुचिकित्सा महाविद्यालय
ला. ला. राय पशुचिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार

डा. संजय यादव
प्रौफेसर एवं हैड

विषयः 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद प्रसंस्करण' पर प्रशिक्षण

श्रीमान/श्रीमती,

आपको सूचित करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि पशुजन्य उत्पाद प्रोद्यौगिकी विभाग, ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार में हरियाणा प्रदेश के अनुसूचित जाति के युवक एवं युवतियों के लिए 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद प्रसंस्करण' पर 28.01.2026 से 06.02.2026 तक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोज़गार हेतु दुग्ध उत्पादों के विभिन्न पहलुओं के अलावा उनको बनाने की आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जायेगी। इस प्रशिक्षण मे 25 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों के आवेदन पत्र निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे 27.01.2026 तक पहुंच जाने चाहिएं। विषय विवरण व आवेदन पत्र का प्रारुप सलंग्न है।

14/1/26
(डा.संजय यादव)

संलग्न : उपरोक्त

क्रमांकः-LPT/2026/36-62 दिनाकं:14.01.2026

इस पत्र की एक प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं।

1. सचिव, कुलपति, ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, कुलपति महोदय के सूचनार्थ हेतु।
2. सभी अधिप्ठाता/निदेशक/अधिकारी, ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार
3. सभी विभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार
4. जनसम्पर्क अधिकारी, ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार
5. जिलाधीश, हिसार।
6. अतिरिक्त जिलाधीश, हिसार।
7. जिला समाज कल्याण अधिकारी, हिसार
8. निदेशक, समाज कल्याण विभाग हरियाणा सरकार,, चंडीगढ़
9. निदेशक, कृषि विभाग हरियाणा, पंचकुला।
10. जिला रोज़गार अधिकारी, हिसार।
11. अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं विछडा वर्ग कल्याण विभाग, हिसार।
12. सरंपच ग्राम पंचायतः–रामायण, उकलाना ग्रामीण, खेड़ा रांगड़ान, मंगाली अकलान, मोठ रांगड़ान, बीर हांसी, साहू, बालावास, नथवाना, सुलखनी, हाजमपुर, मंगााली झारा, गैबीपुर, मंगाली ब्राहमण, खरकड़ा।

प्रशिक्षण मे भाग लेने हेतु आवेदन पत्र

'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद प्रसंस्करण' पर प्रशिक्षण

प्रशिक्षणार्थी का सत्यापित फोटो

स्थान :पशुजन्य उत्पाद प्रोद्यौगिकी विभाग,
ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,
हिसार–125004

प्रशिक्षण अवधि 10 दिन–28.01.2026 से 06.02.2026

---

1. प्रशिक्षणार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
2. जन्म तिथि :
3. जाति :
4. लिंग (स्त्रीलिंग/पुलिंग) :
5. पिता/पति का नाम :
6. शैक्षणिक योग्यता :
7. व्यवसाय :
8. डाक के लिए पूरा पता :
9. दूरभाष :
10. क्या आपने इस विभाग से पहले कोई प्रशिक्षण लिया है या नहीः
11. प्रार्थी को अपना फोटो सरपंच या वार्ड पार्षद से सत्यापित करवाना होगा अन्यथा आवेदन स्वीकार नही होगा।

दिनांकः

हस्ताक्षर

केवल कार्यालय हेतु

प्रार्थी को उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यकम में भाग लेने हेतु अनुमति दी जाती है/नही दी जाती है

प्रशिक्षण संयोजक

'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद प्रसंस्करण' पर प्रशिक्षण
पशुजन्य उत्पाद प्रोद्यौगिकी विभाग
ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,
हिसार–125004

पृष्ठभूमि :

अधिकतर अनुसूचित जाति से सम्बन्धित ग्रामीण परिवार या तो भूमिहीन हैं या सीमान्त किसान हैं और अपने परिवार के पालन पोषण में असमर्थ हैं। पशुपालन इस दिशा में उन्हे सहायता कर सकता है। दूध जो कि एक मुख्य पशु उत्पाद है अतिशीघ्र नष्ट होने वाला पदार्थ है इसलिए उत्पादक अपने दूध का मोल भाव करने की स्थिति मे नही होता और उसे सस्ते दामों में बिचोलिए को बेचना पड़ता है। यदि उत्पादक आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल करके दूध को किसी दुग्ध उत्पाद में परिवर्तित कर दे तो वह इस उत्पाद को कई दिनों तक संरक्षित रख सकता है और अपने उत्पाद की अच्छी कीमत भी प्राप्त कर सकता है। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु विभिन्न दुग्ध उत्पादों को बनाने की नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी।

उदेश्यः

1. प्रशिक्षणार्थियों को दुग्ध व दुग्ध उत्पाद सम्बन्धित नवीनतम जानकारी देना।
2. प्रशिक्षणाथियों को एक सन्तोषजनक स्तर तक उद्यमी बनाना ताकि वे घरेलू स्तर पर दुग्ध उत्पाद सम्बन्धी उद्योग स्थापित कर सकें।
3. प्रशिक्षणार्थियों को दुग्ध व दुग्ध उत्पादों से सम्बन्धित स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना।

पाठ्यकमः

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पाद, पनीर, छैना, खोवा, रसगुल्ला, गुलाब जामुन, मटका कुल्फी, आईसकीम, सुगन्धित दूध इत्यादि को नवीनतम विधियों द्वारा बनाना, उनकी पैकिगं व भण्डारण, दुग्ध संयत्र का परिचय, घरेलू स्तर पर उद्योग खोलना व उनकी लागत एवं लाभ, उद्योग खोलने के लिए ऋण व बीमा सुविधाओं के बारे में जानकारी।

प्रशिक्षणार्थियों के लिए निर्देश

इस प्रशिक्षण के लिए केवल अनुसूचित जाति के युवक व युवतियॉ ही आवेदन कर सकते है। कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों का चयन विभागीय सलाहकार समिति द्वारा योग्यता तथा आयु प्राथमिकता (25 से 40 साल) के आधार पर किया जायेगा।

आवेदन करने के लिए आवेदक की न्यूनतम योग्यता 10+2 पास होनी चाहिए। इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों को अपनी जाति का प्रमाण पत्र सम्बन्धित गॉव के सरपंच या शहर के नगर पार्षद से सत्यापित करवा कर लाना होगा। आवेदन 27.01.2026 तक संलग्न आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालय में पहुँचा दें। इस विभाग से पहले कोई भी इस प्रकार का प्रशिक्षण ले चुके आवेदक योग्य नहीं होंगें।

रजिस्टेशन फीस व यात्रा सम्बन्धी प्रबन्ध :

यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय में ठहरने व खाने पीने की सुविधा निःशुल्क दी जाएगी। इसके अलावा प्रति प्रशिक्षणार्थी 100 रुपये प्रतिदिन मानदेय तथा रजिस्ट्रेशन किट, जिसमें कुछ घरेलु बर्तन होगें भी दिये जाएगा। प्रशिक्षण की सफलता पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएगें।

प्रशिक्षण निदेशकः– डा. संजय यादव
प्रोफैसर एवं हैड, पशुजन्य उत्पाद तकनोलोजी विभाग,
ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,
हिसार–125004
दूरभाषः01662 256125 ई.मेल- hod.lpt@luvas.edu.in

प्रशिक्षण संयोंजक :
डा. मोनिका रानी,
सहायक प्रोफैसर, पशुजन्य उत्पाद टेकनोलोजी विभाग,
ला. ला. राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय,